

# न्यायालय जिला कलक्टर अजमेर, जिला अजमेर

रसद प्रार्थना पत्र संख्या 72/2019

राजस्थान सरकार जरिये अब्दुल सादिक, प्रवर्तन अधिकारी, अजमेर

.....प्रार्थी

बनाम

ख्वाजा दरबार, सत्यनारायण मन्दिर, लाखन कोटडी, अजमेर जरिये श्री अब्दुल रहीम पुत्र श्री नबी मोहम्मद, निवासी: लौगिया मोहल्ला, नवल नगर, अजमेर।

.....अप्रार्थी

## प्रार्थनापत्र अर्न्तगत धारा 6 ए आवश्यक वस्तु अधिनियम

उपस्थित:- श्री नीरज जैन, प्रवर्तन अधिकारी - पैरोकार सरकार

### आदेश

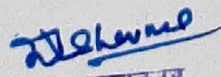
दिनांक 18.02.2020

संक्षिप्त में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार है कि दिनांक 04.09.2019 को जिला रसद अधिकारी अजमेर (प्रथम) के निर्देशानुसार घरेलू गैस सिलेण्डरों के अवैध रूप से व्यवसायिक दुरुपयोग/घरेलू सिलेण्डरों के अवैध रूप से गैस रिफिलिंग को रोकने के अभियान के तहत प्रार्थी मय संयुक्त जांच दल के अप्रार्थी के व्यवसायिक स्थल की जांच करने पर अप्रार्थी द्वारा घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक दुरुपयोग करते पाये जाने पर मौके से 03 अप्रमाणित छोटे गैस सिलेण्डर

S.NO.	S.R.NO.	CO.	T.W.	G.W.	N.W.-GAS	TYPE
1	3 अप्रमाणित छोटे	-	-	-	-	-

को कब्जेराज लिया गया। वक्त जांच अप्रार्थी द्वारा किसी प्रकार का कोई दस्तावेजी साक्ष्य अपने निवास का पूर्ण पता आदि बाबत होने से इन्कार किया गया। चूकि घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक कार्य में दुरुपयोग एल.पी.जी. (रेग्युलेशन ऑफ सप्लाय एण्ड डिस्ट्रीब्यूशन) आदेश 2000 के खण्ड 4 (1) ड, 6 का उल्लंघन है। अतः उपरोक्त अप्रमाणित छोटे सिलेण्डर को राजहित में कब्जेराज लेकर मौके पर चन्द्रायान गैस सर्विस, अजमेर के कार्मिक श्री अयूब खान पुत्र श्री कयूम खान, निवासी: फकीरखेडा, किशनपुरा रोड, अजमेर को सुपुर्दगी में दिये गये। प्रार्थी द्वारा आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत जब्तशुदा 03 अप्रमाणित छोटे सिलेण्डर को राजसात करने हेतु यह प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया।

प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर कर अप्रार्थी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया जो अदम तामिल प्राप्त हुआ। थानाधिकारी पुलिस थाना, दरगाह की रिपोर्ट अनुसार अप्रार्थी के व्यवसाय स्थल एवं निवास स्थान की तलाश करने पर अप्रार्थी का कोई पता नहीं लगा। उपस्थित पैरोकार सरकार से अप्रार्थी के स्थाई/पूर्ण पते की जानकारी चाही गई। इस पर उपस्थित पैरोकार सरकार ने असमर्थता व्यक्त करते हुए निवेदन किया कि वक्त जांच अप्रार्थी द्वारा स्थाई/पूर्ण पते की सम्पूर्ण

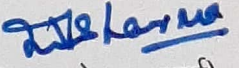
  
जिला कलक्टर  
अजमेर

जानकारी/पहचान दस्तावेज दिये जाने से इन्कार किया गया। अतः प्रकरण का एक पक्षीय निस्तारण किया जावे। सुनवाई चाहने पर उपस्थित पैरोकार सरकार को सुना गया।

पैरोकार सरकार ने प्रार्थना पत्र में वर्णित तथ्यों को दौहराते हुए कथन किया कि दिनांक 04.09.2019 को जांच दौरान अप्रार्थी द्वारा अपने व्यवसाय स्थल पर घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक दुरुपयोग किया जाना पाया गया। घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक दुरुपयोग एल.पी.जी. आदेश 2000 के खण्ड 4 (1) ड, 6 का उल्लंघन है, जो आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के अन्तर्गत दण्डनीय अपराध हैं। अतः कब्जेराज लिये गये 03 अप्रमाणित छोटे गैस सिलेण्डर को राजसात फरमाया जावे।

हमने बहस पर मनन किया तथा पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजात का अवलोकन किया। वक्त जांच अप्रार्थी द्वारा घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक उपयोग तथा जांच में असहयोग किया जाना पाया गया। प्रार्थी की जांच कार्यवाही दिनांक 04.09.2019 के खण्डन बाबत अप्रार्थी द्वारा किसी प्रकार का कोई प्रार्थना पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किये जाने के तथ्य भी प्रकट नहीं है। इससे उपरोक्त अवैध कृत्य अप्रार्थी का स्वतः ही साबित है। अतः प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाता है तथा कब्जेराज लिये गये उक्त 03 अप्रमाणित गैस सिलेण्डर को आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 6ए के तहत राजसात किया जाता है। चूकिं उक्त सिलेण्डर को संबन्धित कम्पनी अमानत राशि लेकर नये उपभोक्ताओं को जारी करेगी। अतः पूर्व में जमा अमानत राशि राजकोष में जमा करवाई जावे।

आदेश मेरे द्वारा लिखवाया जाकर आज दिनांक 18.02.2020 को सरे इजलास सुनाया गया।

  
(विश्व मोहन शर्मा)  
जिला कलक्टर  
अजमेर

